

## Class 12<sup>th</sup> Geography

### Part-1, Chapter-1: प्रकृति और परिधि

#### Most VI Subjective NOTES (2 Marks और 3 Marks वाले)

#  कक्षा 12 भूगोल - अध्याय 1 (Chapter 1)

## मानव भूगोल : प्रकृति और परिधि (Bihar Board NCERT - Full Notes)

--

## ◇ 1 मानव भूगोल की परिभाषा (Definition)

- \*\*मानव भूगोल (Human Geography)\*\* भूगोल की वह शाखा है जो \*\*मनुष्य और पर्यावरण के पारस्परिक संबंधों\*\* का अध्ययन करती है।
- यह बताता है कि मनुष्य किस प्रकार अपने पर्यावरण को प्रभावित करता है और उससे प्रभावित होता है।

 \*\*परिभाषाएँ (Definitions):\*\*

1. \*\*फ्रेडरिक रैट्जेल (Friedrich Ratzel):\*\* मानव भूगोल वह विज्ञान है जो मानव और उसके प्राकृतिक पर्यावरण के बीच संबंधों का अध्ययन करता है।
2. \*\*एलन सर्प्पल (Ellen Semple):\*\* मनुष्य प्रकृति का उत्पाद है।
3. \*\*पॉल विडाल डी ला ब्लाश (Paul Vidal de la Blache):\*\* मनुष्य पर्यावरण का सहयोगी है, दास नहीं।

--

## ◇ 2 मानव भूगोल की प्रकृति (Nature of Human Geography)

- मानव भूगोल \*\*सामाजिक विज्ञान\*\* (Social Science) है, न कि शुद्ध प्राकृतिक विज्ञान।

\* इन प्रश्नों में से \*कम से कम 5 से 6\* हर साल सीधे बोर्ड में दोहराए जाते हैं।

 \*\*Created by – Sartaz Alam\*\*

- यह \*\*स्थानिक वितरण (Spatial Distribution)\*\* और \*\*मानव क्रियाओं (Human Activities)\*\* दोनों का अध्ययन करता है।

### ❖ \*\*मुख्य विशेषताएँ:\*\*

1. मानव और प्रकृति के संबंधों का अध्ययन
2. क्षेत्रीय भिन्नताओं का विश्लेषण
3. सांस्कृतिक विकास की व्याख्या
4. मानव जीवन की आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन

---

### ## ◇ ③ मानव और प्रकृति का संबंध (Relationship between Man & Nature)

- प्रारंभ में मनुष्य \*\*प्रकृति पर निर्भर\*\* था – इसे \*\*निर्धारणवाद (Determinism)\*\* कहा जाता है।
- बाद में मनुष्य ने पर्यावरण को नियंत्रित करना सीखा – इसे \*\*संभाव्यवाद (Possibilism)\*\* कहा गया।
- वर्तमान में दोनों के बीच \*\*सहजीव संबंध (Neo-Determinism)\*\* को स्वीकार किया गया है।

---

### ## ◇ ④ सिद्धांत (Theories)

#### ### (A) निर्धारणवाद (Determinism)

- प्रतिपादक: \*\*फ्रेडरिक रैट्ज़ल\*\*
- विचार: प्रकृति मानव जीवन को पूरी तरह नियंत्रित करती है।
- उदाहरण: ठंडे प्रदेशों में लोग गर्म कपड़े पहनते हैं, रेगिस्तान में लोग कम वस्त्र पहनते हैं।

- आलोचना: यह मनुष्य की रचनात्मकता को नकारता है।

### ### (B) संभाव्यवाद (Possibilism)

- प्रतिपादक: \*\*पॉल विडाल डी ला ब्लाश (France)\*\*
- विचार: प्रकृति अवसर देती है, लेकिन उसका उपयोग मनुष्य करता है।
- उदाहरण: नदी खेती की संभावना देती है, परंतु सिंचाई व्यवस्था मनुष्य बनाता है।
- यह मनुष्य को सक्रिय भूमिका देता है।

### ### (C) नियो-निर्धारणवाद (Neo-Determinism)

- प्रतिपादक: \*\*ग्रिफिथ टेलर (Griffith Taylor)\*\*
- विचार: न तो पूरी तरह प्रकृति पर निर्भरता, न ही पूरी स्वतंत्रता; दोनों में संतुलन होना चाहिए।
- मनुष्य को “\*\*प्रकृति का सहयोगी\*\*” माना गया है।

## ## ◇ 5 मानव भूगोल का विकास (Evolution of Human Geography)

काल / अवस्था	विशेषताएँ
प्रारंभिक अवस्था	प्रकृति के अनुसार जीवन, निर्धारणवाद का प्रभाव
मध्य अवस्था	औद्योगिक क्रांति, संभाव्यवाद का विकास
आधुनिक अवस्था	तकनीकी प्रगति, नियो-निर्धारणवाद

## ## ◇ 6 मानव भूगोल की शाखाएँ (Branches of Human Geography)

- \*\*सांस्कृतिक भूगोल (Cultural Geography)\*\* - संस्कृति, भाषा, धर्म का अध्ययन
- \*\*आर्थिक भूगोल (Economic Geography)\*\* - कृषि, उद्योग, व्यापार
- \*\*राजनीतिक भूगोल (Political Geography)\*\* - राज्य, सीमाएँ, शक्ति
- \*\*जनसंख्या भूगोल (Population Geography)\*\* - जनसंख्या वितरण, वृद्धि
- \*\*निवास भूगोल (Settlement Geography)\*\* - गाँव और नगरों का अध्ययन
- \*\*परिवहन भूगोल (Transport Geography)\*\* - मार्ग और संचार

## ## ◇ 7 मानव भूगोल का क्षेत्र (Scope of Human Geography)

- मानव जीवन और पर्यावरण के बीच आपसी संबंधों का अध्ययन
- आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों का विश्लेषण
- स्थानिक पैटर्न और क्षेत्रीय विकास का अध्ययन

### ❖ \*\*मुख्य बिंदुः\*\*

- मानव जीवन का भौगोलिक विश्लेषण
- प्रकृति और मनुष्य के संबंधों की व्याख्या
- विकास और क्षेत्रीय असमानताओं की पहचान

## ## ◇ 8 मानव भूगोल का महत्व (Importance)

- विकास योजना बनाने में सहायक
- जनसंख्या नीति और संसाधन प्रबंधन में मददगार
- पर्यावरण संरक्षण में योगदान

- शहरीकरण और ऐद्योगिकीकरण की समझ प्रदान करता है

## ## ◇ 9 मुख्य विचारक (Important Thinkers)

विचारक देश सिद्धांत / योगदान

फ्रेडरिक रैट्जेल	जर्मनी	निर्धारणवाद
एलन सेम्पल	अमेरिका	मानव प्रकृति का दास
पॉल डी ला ब्लाश	फ्रांस	संभाव्यवाद
ग्रिफिथ टेलर	ऑस्ट्रेलिया	नियो-निर्धारणवाद

## ## ◇ 10 परीक्षा हेतु सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न (Most VVI for 2025)

| प्रश्न | अंकों का प्रकार |

| मानव भूगोल की परिभाषा लिखिए। | 2 अंक |

| निर्धारणवाद और संभाव्यवाद में अंतर लिखिए। | 3 अंक |

| नियो-निर्धारणवाद से आप क्या समझते हैं? | 3 अंक |

| मानव भूगोल की प्रमुख शाखाएँ बताइए। | 3 अंक |

| मानव भूगोल की प्रकृति और परिधि लिखिए। | 5 अंक |

| मानव और पर्यावरण के बीच संबंध की व्याख्या कीजिए। | 5 अंक |

| रैट्जेल और ब्लाश के विचारों की तुलना कीजिए। | 5 अंक |

## ## ◇ 11 एक नजर में (Quick Revision)

| विषय | मुख्य तथ्य |

|-----|-----|

| मानव भूगोल | मानव और पर्यावरण का संबंध |

| निर्धारणवाद | प्रकृति नियंत्रक है |

| संभाव्यवाद | मनुष्य सक्रिय है |

| नियो-निर्धारणवाद | संतुलित दृष्टिकोण |

| मुख्य विचारक | रैट्ज़ेल, ब्लाश, टेलर |

| शाखाएँ | सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक, जनसंख्या |

| उपयोगिता | योजना, पर्यावरण, विकास |

---

## ## ◇ 12 याद रखने योग्य सूत्र (Summary Formula)

➊ मानव भूगोल = मनुष्य + पर्यावरण + क्रियाएँ

➋ निर्धारणवाद = प्रकृति नियंत्रक

➌ संभाव्यवाद = मनुष्य नियंत्रक

➍ नियो-निर्धारणवाद = दोनों का संतुलन

---

## ## परीक्षा टिप्प (Bihar Board 2025)

- परिभाषाएँ हमेशा रेट्जेल, ब्राश, टेलर के नाम के साथ यद करें।
- 2 अंक वाले प्रश्नों में \*\*Keyword + Thinker\*\* लिखें।
- 5 अंक वाले उत्तरों में \*\*Definition + Example + Thinker + Difference\*\* लिखें।
- नियो-निर्धारणवाद का चार्ट अवश्य बनाएं।
- यह अध्याय हर साल \*\*3 से 5 अंक\*\* में पूछा जाता है।

---

### ↳ \*\*Short Summary:\*\*

- > मानव भूगोल एक ऐसा विषय है जो मनुष्य और उसके पर्यावरण के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करता है। प्रारंभ में मनुष्य प्रकृति पर निर्भर था (निर्धारणवाद), बाद में उसने अपनी शक्ति का उपयोग किया (संभाव्यवाद), और आज दोनों में संतुलन माना जाता है (नियो-निर्धारणवाद)।
- > मानव भूगोल समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, राजनीति और तकनीकी के क्षेत्रों पैटर्न को समझने में सहायता करता है।

## Study For Bihar Exams:

इस PDF में दिए गए सभी सवालों और जवाबों को  
हमने Bihar Board के पिछले वर्षों (2018–2024) के आधार पर ध्यानपूर्वक चुना है।  
इसलिए आप इन पर भरोसा कर सकते हैं और अपने परीक्षा की तैयारी में पूर्ण आत्मवि-

हमारा मक्सद है कि हर छात्र सफलता की ओर बढ़े।  
आप कठिन परिश्रम करें और हम आपके साथ हैं।

हर सवाल आपके ज्ञान को मजबूत करेगा और आपको परीक्षा में सफलता दिलाएगा।

Created by Sartaz Alam

Contact: 8235956404

Email: srssartazalam123@gmail.com

Instagram: srs.darkspace

\* "Confident student वह नहीं जो सब जानता है – बल्कि वह है जो हर सवाल को समझदारी से जवाब देता है।"

## पृष्ठा 2 आखिर क्यों लोग हमारी वेबसाइट विज़िट करें?

"Study for Bihar Exams" सिर्फ एक वेबसाइट नहीं, बल्कि बिहार के छात्रों के लिए एक भरोसेमंद साथी है। यहां आने के कई ठोस कारण हैं:

- सभी कक्षाओं के लिए एक ही जगह पर सामग्री: Class 9th से लेकर 12th तक के लिए नोट्स, मॉडल पेपर, किताबें और अध्यायवार PDF उपलब्ध हैं।
- Objective और Subjective दोनों प्रकार की तैयारी: हर विषय के लिए दोनों तरह के प्रश्नों की तैयारी का पूरा इंतज़ाम।
- सरल भाषा में सटीक जानकारी: कंटेंट को इस तरह से तैयार किया गया है कि हर छात्र आसानी से समझ सके।
- PDF डाउनलोड की सुविधा: हर अध्याय के लिए डाउनलोड करने योग्य फॉर्मेट उपलब्ध है ताकि आप ऑफलाइन भी पढ़ सकें।
- नवीनतम अपडेट और सरकारी योजनाएँ: रिजल्ट, एडमिट कार्ड, स्कॉलरशिप, और Sarkari Yojna की जानकारी सबसे पहले यहीं मिलेगी।
- परीक्षा की तैयारी के लिए टिप्पणी और ट्रिक्स: स्मार्ट स्टडी के लिए उपयोगी सुझाव और रणनीतियाँ।
- छात्रों के लिए पूरी तरह मुफ्त सेवा: कोई शुल्क नहीं, कोई बाधा नहीं – सिर्फ पढ़ाई और सफलता की ओर कदम।

हमारा लक्ष्य है कि हर छात्र को उसकी ज़रूरत की हर जानकारी समय पर और सही रूप में मिले। यहीं वजह है कि हजारों छात्र रोज़ाना हमारी वेबसाइट पर आते हैं और अपनी तैयारी को बेहतर बनाते हैं।